पं. सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य (Assignment Work) सत्र - 2011-12

एम.ए. (पूर्व) संस्कृत, प्रथम प्रश्न पत्र

प्रश्न पत्र का नाम : वैदिक साहित्य एवं तुलनात्मक भाषा विज्ञान

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांक : 11**

नोट : 1. खण्ड (अ) सभी प्रश्न अनिवार्य है सभी के अंक समान है।
2. खण्ड (ब) किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए सभी के अंक समान है।

खण्ड (अ) लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. पुरूष सूक्त अथवा उषस् (उषा) का सामान्य परिचय दीजिए। 4

प्रश्न 2. राष्ट्रभिवर्धनम् सूक्त का सारांश लिखिए। 4

प्रश्न 3. निरूक्त अन्तर्गत वर्णित नियातों का वर्णन कीजिए। 4

प्रश्न 4. ईशावास्योपनिषद् का सामान्य परिचय दिजिए। 4

प्रश्न 5. वैदिक साहित्य पर संक्षिप्त लेख लिखिये। 4

खण्ड (ब) निबंधात्मक प्रश्न

प्रश्न 1. इन्द्र सूक्त का उदाहरण सहित सारांश लिखिए। 5

प्रश्न 2. उपनिषद् साहित्य में ईशावास्योपनिषद् को महत्व का वर्णन कीजिए। 5

प्रश्न 3. वेदांग अंतर्गत 'शिक्षा' एवं 'व्याकरण' पर प्रकाश डालिए। 5

प्रश्न 4. ऋग्वेद के रचनाकाल पर प्रकाश डालिए। 5

आवश्यक निर्देशः-
1. सत्रीय कार्य के प्रश्न का उत्तर 30 दिन के अंदर अध्ययन केन्द्र में जमा करना अनिवार्य है।
2. छात्रगण पावती आवश्यक रूप से प्राप्त करें।

पं. सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य (Assignment Work) सत्र - 2011-12

एम.ए. (पूर्व) संस्कृत, द्वितीय प्रश्न पत्र

प्रश्न पत्र का नाम : ललित साहित्य एवं नाटक

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांक : 11**

नोट : 1 खण्ड (अ) सभी प्रश्न अनिवार्य है सभी के अंक समान है।
2 खण्ड (ब) किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए सभी के अंक समान है।

खण्ड (अ) लघु उत्तरीय प्रश्न

निम्न लिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

प्रश्न 1. बक – जातकम् की कथा संक्षेप में लिखिए। 4 अंक

प्रश्न 2. ''स्वप्नवासवदत्तम्'' चतुर्थ अंक का सारांश लिखिए। 4 अंक

प्रश्न 3. 'सन्देशरासकम्' का सरांश लिखिए। 4 अंक

प्रश्न 4. किसी 'बोली' का 'भाषा' बनने का कारण बताइये। 4 अंक

प्रश्न 5. वाक्य – परिवर्तन के क्या कारण है? प्रकाश डालिए। 4 अंक

खण्ड (ब) निबंधात्मक प्रश्न

निम्न लिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

प्रश्न 1. पालि संग्रहो के (बुद्धशासनं) की किन्हीं दो गाथाओं का वर्णन कीजिए। 5 अंक

प्रश्न 2. अपभ्रंशमुक्तक संग्रह के अंतर्गत धत्ता के प्रतिपाद्य विषय में वर्णन कीजिए। 5 अंक

प्रश्न 3. भाषा की उत्पति और विकास पर प्रकाश डालिए। 5 अंक

प्रश्न 4. वाक्य के आवश्यक तत्वों पर प्रकाश डालिए। 5 अंक

आवश्यक निर्देशः-
1. सत्रीय कार्य के प्रश्न का उत्तर 30 दिन के अंदर अध्ययन केन्द्र में जमा करना अनिवार्य है।
2. छात्रगण पावती आवश्यक रूप से प्राप्त करें।

पं. सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य (Assignment Work) सत्र - 2011-12

एम.ए. (पूर्व) संस्कृत, तृतीय प्रश्न पत्र

प्रश्न पत्र का नाम : भारतीय काव्यशास्त्र एवं व्याकरण

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांक : 11**

नोट : 1. खण्ड (अ) सभी प्रश्न करना अनिवार्य है सभी के अंक समान है।
2. खण्ड (ब) किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए सभी के अंक समान है।

खण्ड (अ)

प्रश्न 1. निम्नांकित में से दो (02) सूत्रों को सोदाहरण स्पष्ट कीजिये। 4 अंक
(1) साधकतमं करणम् (2) आधारोऽधिकरणम्
(3) तथायुक्तं चानीप्सितम् (4) रूच्यर्थानां प्रीयमाणः।

प्रश्न 2. निम्नांकित में से दो (02) प्रयोगों को सूत्रनिर्देशपूर्वक स्पष्ट कीजिये।
(1) पादेन खञ्जः (2) बालिं याचते वसुधाम् (3) मासं अधीते
(4) अन्तरा त्वां मां हरिः (5) हरिः वैकुण्ठं अधिवसति। 4 अंक

प्रश्न 3. निम्नांकित में से दो (02) प्रयोगों को सूत्रनिर्देशपूर्वक स्पष्ट कीजिये।
(1) स्तुत्यः (2) गृहम् (3) कुम्भकारः (4) सरसिजम्। 4 अंक

प्रश्न 4. निम्नांकित पद्य की व्याख्या कीजिये। 4 अंक
चत्वारि वाक्परिमिता पदानि तानि विदुर्ब्राह्मणा मनीषिणः।
गुह्य तीणि मिहिता नेङ्ग्यन्ति तुरीयं वाचो मनुष्या वदन्ति।।

प्रश्न 5. ''लक्ष्य लक्षणे व्याकरम्'' उक्ति पर संक्षेप में संस्कृत भाषा में तथ्य प्रस्तुत कीजिये। 4 अंक

खण्ड (ब)

प्रश्न 1. ''ध्रुवमपाये अपादनं'' इस सूत्र की सोदाहरण विशद व्याख्या कीजिये। 5 अंक

प्रश्न 2. ''अनुपसर्गे किं?'' गोसंदायः की विवेचना में अपने तर्कों द्वारा पुष्टि कीजिये। 5 अंक

प्रश्न 3. सम्यक रूप से व्याख्या कीजिये। 5 अंक
सोऽनन्तमाप्नोति जयं परत्र। वाग्योगविद् दुष्यति चापशब्दैः।
कः? अवाग्योगविदेव। अथयो वाग्योगविद् विज्ञानं तस्य शरणम्।।

प्रश्न 4. निम्नांकित में से किसी एक पर निबंध लिखिये। निबंध लेखन हेतु संस्कृत भाषा का ही प्रयोग किया जावे। 5 अंक
(1) षड् दर्शनानि (2) संस्कृत भाषायाः महत्वम्।

आवश्यक निर्देशः-
1. सत्रीय कार्य के प्रश्न का उत्तर 30 दिन के अंदर अध्ययन केन्द्र में जमा करना अनिवार्य है।
2. छात्रगण पावती आवश्यक रूप से प्राप्त करें।

पं. सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य (Assignment Work) सत्र - 2011-12

एम.ए. (पूर्व) संस्कृत, चतुर्थ प्रश्न पत्र

प्रश्न पत्र का नाम : भारतीय दर्शन

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांक : 11**

नोट : 1. खण्ड (अ) के सभी प्रश्न हल करना अनिवार्य है।
2. खण्ड (ब) के दो प्रश्न हल करना अनिवार्य है।
3. प्रश्नों में निहित अंक प्रश्न के सामने उल्लिखित है।

खण्ड (अ)

प्रश्न 1. सम्बन्ध कितने प्रकार के होते है? सोदाहरण स्पष्ट कीजिये। 4

प्रश्न 2. ''प्रतिविषयाध्यवसायो दृष्टं त्रिविधमनुमानमाख्यातम्'' के आधार पर तीनों अनुमानों का उल्लेख करते हुए उनका परिचय दीजिये। 4

प्रश्न 3. ''तत्वमसि'' की व्याख्या कीजिये। 4

प्रश्न 4. बौद्धदर्शन के क्षणिकवाद या क्षणिकभावना पर प्रकाश डालिये। 4

प्रश्न 5. ''समानाधिकरण्य संबंध'' किसे कहते है? सोदाहरण स्पष्ट कीजिये। 4

खण्ड (ब)

प्रश्न 1. ''चत्वारि एवं प्रमाणानि युक्तिलेशोक्तिपूर्वकम्'' को स्पष्ट कीजिये। 5

प्रश्न 2. सांख्यदर्शन के अनुसार ''बन्धन एवं मोक्ष अर्थात् मोक्ष एवं अपवर्ग'' पर विवेचन प्रस्तुत कीजिये। 5

3. ''जीवनमुक्त तथा बद्धसंसारी'' में भेद स्पष्ट करते हुए जीवनमुक्त अवस्था का परिचय दीजिये। 5

4. जैन दर्शन में मान्य त्रिरत्नों का परिचय देते हुए उनकी उपयोगिता पर प्रकाश डालिये। 5

आवश्यक निर्देशः-
1. सत्रीय कार्य के प्रश्न का उत्तर 30 दिन के अंदर अध्ययन केन्द्र में जमा करना अनिवार्य है।
2. छात्रगण पावती आवश्यक रूप से प्राप्त करें।